अंक-योजना

अत्यंत गोपनीय

(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र परीक्षा, **2026**

विषय---हिंदी (ऐच्छिक)

Series: S5RPQ (प्रश्न-पत्र कोड **29/**5/2**)**

<u>सामान्य निर्देश: -</u>

1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए 'ऑन स्क्रीन मार्किंग' (OSM) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते ही हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में 'मूल्यांकन' सबसे महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती भी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जिसका प्रभाव परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण पर पड़ सकता है। आपसे अनुरोध है कि गलतियों से बचने के लिए मूल्यांकन शुरू करने से पहले 'मूल्यांकन दिशा-निर्देशों' को ध्यान से **अवश्य** पढ़ें, समझें और मूल्यांकन करते समय उनका पालन **अवश्य** करें।
3	"मूल्यांकन एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसे सार्वजनिक करने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकती है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट में छापना आदि बोर्ड और बीएनएस के विभिन्न नियमों के अंतर्गत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है।"
4	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों और निर्धारित चरणों (Steps) के अनुसार किया जाना चाहिए। इसे किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का सख्ती से पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए। मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं, उनका सत्यता एवं प्रासंगिकता के आधार पर मूल्यांकन किया जाए। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और उचित अभिव्यक्ति पर उचित अंक दें।
5	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझावात्मक बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशा-निर्देश हैं। परीक्षार्थी की प्रस्तुति अगर सही है, तो प्रश्न के आधार पर उचित अंक दिए जाएँ।
6	प्रधान परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं का पुनरावलोकन अवश्य करना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि मूल्यांकन में कोई भिन्नता है तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे दूर किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँ।

7	मूल्यांकनकर्त्ता उत्तर सही होने पर सही (✓) का निशान लगाएँ, गलत उत्तर के लिए क्रॉस (**X**) का निशान लगाएँ। मूल्यांकन करते समय सही (✓) का निशान नहीं लगाने पर भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है और यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया।
8	अगर किसी प्रश्न में उपभाग हैं तो कृपया OSM पोर्टल में प्रत्येक उपभाग के लिए दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न उपभागों पर दिए गए अंकों का योग OSM सिस्टम करेगा।
9	यदि किसी प्रश्न में कोई उपभाग नहीं है, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका भी सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

10	वर्तनी संबंधी एक ही अशुद्धि के लिए बार-बार अंक न काटा जाए।
11	अंकों के पूरे पैमाने 0 से 80 अंक का उपयोग किया जाए। यथोचित उत्तर पर पूरे अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्यसमय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण दिशा-निर्देशों में दिया गया है)। यह पाठ्यक्रम में कमी तथा प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के समय यदि उत्तर पूर्णतः गलत पाया जाए, तो उस पर क्रॉस (X) का निशान लगाकर शून्य (0) अंक दिया जाना चाहिए।
14	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले मूल्यांकन के लिए दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।
15	परीक्षार्थी निर्धारित प्रोसेसिंग फीस का भुगतान करके उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन प्रत्येक उत्तर के लिए अंकयोजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।
16	यदि किसी परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर लिखा है तो अधिक अंक पाने वाले प्रश्न के उत्तर को ही स्वीकार किया जाना चाहिए तथा अन्य उत्तर पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिखकर काट दिया जाना चाहिए।
17	यदि परीक्षार्थी ने कोई प्रश्न नहीं किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस प्रश्न-संख्या के सामने अंकतालिका में "NA" (प्रयास नहीं किया गया) अंकित करेगा।

अंक योजना

हिंदी ऐच्छिक (विषय कोड - 002)

प्रश्न-पत्र कोड : 29/5/2 (S5RPQ)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

प्र. सं.	अपेक्षित/सांकेतिक उत्तर बिंदु	अंक	Step
	खंड – क **(अपठित बोध)**		
1.	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर :	8	
(i)	(C) वीरता की	1	Step 1-1 Mark
(ii)	(C) पराक्रम	1	Step 1-1 Mark
(iii)	(B) मृत्यु अवश्यंभावी है	1	Step 1-1 Mark
(iv)	• देश की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपना तन-मन-धन सर्वस्व न्योछावर करने की • अन्याय का विरोध करते हुए स्वाभिमानपूर्वक जीवन यापन करने की	2	Step 1-1 Mark Step 2-1 Mark
(v)	• स्वाभिमानी होना • विपरीत परिस्थितियों में हार न मानना (पद्यांश के आधार पर अन्य उचित बिंदु भी स्वीकार्य)	2	Step 1-1 Mark Step 2-1 Mark
(vi)	• अमृत-पान करना अर्थात् निर्भय होकर कठिनाइयों का सामना करते हुए लक्ष्य प्राप्त करना	1	Step 1-1 Mark
2.	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर :	10	
(i)	(C) उसमें भले-बुरे को समझने की बुद्धि होती है।	1	Step 1-1 Mark
(ii)	(A) सभी प्राणियों को अपना समझता है।	1	Step 1-1 Mark
(iii)	(A) समय-समय पर युगानुकूल संशोधनों द्वारा	1	Step 1-1 Mark
(iv)	• दुर्मति का प्रभाव स्थापित होने पर • स्वार्थ-केंद्रित हो जाने पर	2	Step 1-1 Mark Step 2-1 Mark
(v)	• कुमार्ग पर चलना • बुराइयों में लिप्त होना	2	Step 1-1 Mark Step 2-1 Mark
(vi)	• जिसके पास बुद्धि का बल है वही शक्तिशाली • बुद्धि के बल से कठिन कार्यों का समाधान	2	Step 1-1 Mark Step 2-1 Mark
(vii)	• उचित मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करना	1	Step 1-1 Mark
	खंड – ख **[अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित]**		
3.	**किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित :	3x2=6	

(i)	• मुद्रित माध्यम लंबे समय तक सुरक्षित और विश्वसनीय • रुचि के अनुसार किसी भी खबर को कहीं से भी पढ़ने की सुविधा • किसी भी खबर पर चिंतन-मनन, विचार और विश्लेषण करने की सुविधा (अन्य उचित बिंदु भी स्वीकार्य)	3	Step 1-1 Mark Step 2-1 Mark Step 3-1 Mark
(ii)	**अंतर-** • साहित्यिक लेखन कल्पनाजन्य लेखन जबकि पत्रकारीय लेखन में तथ्यात्मकता और तात्कालिकता **ध्यान रखने योग्य मुख्य बातें-** • पत्रकारीय लेखन में आम बोलचाल की भाषा और उलटा पिरामिड शैली का प्रयोग • पाठकों की रुचियों और आवश्यकताओं को ध्यान में रखना	3	Step 1-1 Mark Step 2-2 Mark
(iii)	**विशेष लेखन-** किसी विषय विशेष पर सामान्य लेखन से हटकर किया गया लेखन **संबंध-** समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में विशेष लेखन का अलग डेस्क, बीट में किसी विशेष विषय से जुड़े संवाददाताओं (पत्रकारों) की रुचि और ज्ञान के आधार पर काम का आवंटन **भाषा-शैली-** विषय के अनुरूप, विषय-विशेष से संबंधित तकनीकी शब्दावली	3	Step 1-1 Mark Step 2-1 Mark Step 3-1 Mark
4.	किसी **एक विषय** पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख : विषयवस्तु – 3 अंक भाषा - 1 अंक प्रस्तुति - 1 अंक	5	Step 1-3 Mark Step 2- 1 Mark Step 3- 1 Mark
5.	**किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में अपेक्षित :	3x2=6	
(i)	• चित्रों या बिंबों का मन पर अधिक प्रभाव • दृश्य बिंब अधिक बोधगम्य **उदाहरण-** प्राकृतिक दृश्यों से संबंधित किसी भी कविता का उदाहरण स्वीकार्य	3	Step 1-1 Mark Step 2- 2 Mark
(ii)	• कथा का विकास और पात्रों का चरित्र-चित्रण संवादों से ही संभव • विचारों, भावनाओं और उद्देश्य को दर्शकों तक पहुँचाने का जरूरी माध्यम	3	Step 1-1 Mark Step 2- 1 Mark Step 3-1 Mark

	• अंत तक दर्शकों की रुचि बनाए रखने में सहायक		
(iii)	**केंद्रीय बिंदु-** कथानक • कथानक, देशकाल और वातावरण, पात्र और चरित्र-चित्रण, संवाद, द्वंद्व, उद्देश्य, भाषा-शैली, चरमोत्कर्ष- इनमें से किसी भी **एक तत्त्व** की व्याख्या किए जाने पर उचित अंक दिए जाएँ	3	Step 1-1 Mark Step 2- 2 Mark
6.	प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर :		
(i)	• शब्द परदे पर दिखने वाले दृश्य के अनुकूल हों **क्यों-** दूरदर्शन दृश्य-श्रव्य माध्यम, शब्दों और दृश्यों में अनुकूलता न होने पर भ्रामक स्थिति उत्पन्न होना	1	Step 1-0.5 Mark Step 2-0.5 Mark
(ii)	**तीन** -इंट्रो, बॉडी और समापन • इंट्रो (मुखड़ा)- समाचार का सबसे महत्त्वपूर्ण भाग • बॉडी- घटते महत्त्व के क्रम में समाचार का विस्तृत विवरण • समापन- इसी प्रक्रिया का अंत तक चलना	2	Step 1-2 Mark
(iii)	**इंटरनेट पत्रकारिता** – • इंटरनेट पर अखबारों का प्रकाशन या खबरों का आदान-प्रदान **प्रयोग-** • लेखों, चर्चा-परिचर्चाओं, बहस, फ़ीचर, झलकियों, डायरियों आदि में समय की अपेक्षाओं के अनुसार प्रस्तुति	2	Step 1-1 Mark Step 2-1 Mark
	खंड – ग **(पाठ्य-पुस्तकों अंतरा, अंतराल के आधार पर)**		
7.	पठित काव्यांश पर आधारित **बहुविकल्पीय** प्रश्नों के उत्तर :	1x5=5	
(i)	(B) निराशा	1	Step 1- 1 Mark
(ii)	(D) मानवीकरण	1	Step 1- 1 Mark
(iii)	(C) I और III	1	Step 1- 1 Mark
(iv)	(D) तेज़ से युक्त	1	Step 1- 1 Mark
(v)	(A) आशा व्यक्ति को काल्पनिक सुख में भरमाए रखती है।	1	Step 1- 1 Mark
8.	काव्यखंड पर आधारित **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में अपेक्षित -	2x2= 4	
(i)	• गोड़ो अर्थात सृजन/नवनिर्माण में उत्पन्न बाधा/अवरोध को उखाड़ फेंकना • पत्थर, चट्टान, ऊसर, बंजर, चरती-परती आदि को तोड़कर धरती की गुड़ाई करके धरती को उपजाऊ बनाना, मन की ऊब, खीझ, सामाजिक कुरीतियों को दूर करना	2	Step 1- 1Mark Step 2- 1Mark

(ii)	• राम के वियोग में कौशल्या का अपने स्वाभाविक मनोभाव में न रहना • राम की वस्तुओं (धनुहियाँ, पनहियाँ) को देखकर व्यथित, स्तब्ध और जड़वत हो जाना, घोड़ों की दयनीय दशा का आश्रय लेकर राम को बुलाने का प्रयास	2	Step 1- 1Mark Step 2- 1Mark
(iii)	• जीवन की क्षणभंगुरता का बोध, क्षण का महत्त्व • व्यष्टि का समष्टि में विलय	2	Step 1- 1Mark Step 2- 1Mark
9.	किसी **एक** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग **100** शब्दों में अपेक्षित : • संदर्भ : 1 अंक (कवि और कविता का नाम) • प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) • व्याख्या : 3 अंक i) सामान्य अर्थ लिखने पर 1 से 2 अंक दिए जाएँ ii) सामान्य अर्थ के साथ भावार्थ स्पष्ट करने पर पूरे 3 अंक दिए जाएँ • विशेष : 1 अंक (i) कवि- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला कविता- सरोज-स्मृति (ii) कवि- मलिक मुहम्मद जायसी कविता- बारहमासा	6	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark Step 3- 3 Mark Step 4- 1 Mark
10.	किसी **एक** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग **100** शब्दों में अपेक्षित : • संदर्भ : 1 अंक (पाठ और लेखक का नाम) • प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) • व्याख्या : 3 अंक i) सामान्य अर्थ लिखने पर 1 से 2 अंक दिए जाएँ ii) सामान्य अर्थ के साथ भावार्थ स्पष्ट करने पर पूरे 3 अंक दिए जाएँ • विशेष : 1 अंक (i) पाठ - जहाँ कोई वापसी नहीं लेखक - निर्मल वर्मा (ii) पाठ- कुटज लेखक - हजारी प्रसाद द्विवेदी	6	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark Step 3- 3 Mark Step 4- 1 Mark
11.	गद्य खंड पर आधारित **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित :	2x2=4	

(i)	उपयुक्त स्वतंत्र और प्रासंगिक अभिव्यक्ति पर यथोचित अंक दिए जाएँ	2	Step 1-2 Mark
(ii)	• संदेश की गोपनीयता के साथ यथावत प्रस्तुति **दायित्व और भूमिका** हेतु उपयुक्त स्वतंत्र अभिव्यक्ति स्वीकार्य	2	Step 1-1 Mark Step 2-1 Mark
(iii)	• गुलाबी रंग का मन पर छा जाना • उस लड़की की छवि मन-मस्तिष्क पर हावी, उससे पुनः मिलने की कल्पना	2	Step 1-1 Mark Step 2-1 Mark
12.	पठित गद्यांश पर आधारित **बहुविकल्पीय** प्रश्नों के उत्तर :	1x5=5	
(i)	(D) उत्साह	1	Step 1- 1 Mark
(ii)	(C) उन्हें लंबे बाल रखने का शौक था।	1	Step 1- 1 Mark
(iii)	(B) प्रकृति-प्रेम	1	Step 1- 1 Mark
(iv)	(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या **नहीं** करता है।	1	Step 1- 1 Mark
(v)	(A) भारतेंदु हरिश्चंद्र के मित्र थे।	1	Step 1- 1 Mark
13.	**किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित -	5 x 2 =10	
(i)	**लेखक**-प्रेमचंद **क्यों** • शक और प्रतिशोध के कारण **प्रवृत्ति** • क्रूर एवं धूर्त • शंकालु और ईर्ष्यालु • संवेदनहीन • लोभी • स्वार्थी • प्रतिशोध की भावना से युक्त कोई तीन प्रवृत्ति अपेक्षित	5	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark Step 3- 3 Mark
(ii)	**उद्देश्य**-ग्रामीण जीवन में फूलों की उपयोगिता बताना • **प्राकृतिक सौंदर्य**-कोइयाँ, कमल, जूही, चंपा, चमेली, गेंदा आदि • **औषधीय उपयोगिता-** भरभंडा (सत्यानाशी) - आँखें आने पर नीम के फूल-पत्ते - चेचक के रोग में बेर के फूल - बर्रे-ततैये के डंक झाड़ने में • **धार्मिक संदर्भ-** गुड़हल, हरसिंगार	5	Step 1- 1 Mark Step 2- 4 Mark
(iii)	• अधिकाधिक वृक्षारोपण • प्रकृति का संरक्षण और संवर्धन • संयमित और अनुशासित जीवन-शैली	5	Step 1- 5 Mark

	• प्रकृति से प्रेम और उसका सम्मान • जनजागरूकता (अन्य उचित बिंदु भी स्वीकार्य)		